मालविका ।

आज मैं सझा करना जा रहा हूँ, मेरी जीवन की एक अनोखा अनुभव। 2017 मे मैं ग्यारहवी कक्षा मे पढ़ रहे थी। संत मार्या स्कूल मुबई। मैं एक मलयाली थी। मेरी पिताजी एक अधिकारी थे इसलिए हम जगह बदलते रहे थी। मेरी प्यारी मित्र का नाम प्रिया थी। मेरी मित्र का स्वभाविक बातचित मेरी जीवन की रंगों को और अधिक बिविध बना दिया। वह हमेशा मजाक करने मे अच्छी थी और मेरा साथ किसी भी समस्याओ की समाधान करने में वह तैयार थी। उनकी मिलनसार स्वभाव और अनूठ दृष्टिकोण मेरी जीवन को रंगीन या यादगार बना दिया। मूझे

अपनी स्कूल बहूत पसंद थी, अच्छी शिक्षक, बहूत सारे छात्रो और ढेर सारा जगा। उनकी अलावा मूझे कई दोस्तो थे, जिनका नाम कार्तिक, मान्, मालविका, रजनी, संजय और किरण।

मालविका के बारे कहने मे कई बहूत सारी बाते है। मालविका एक रास्ते मे मिली एक लडकी थी। मालविका अपनी तरह बहूत शर्मिला और तजेसीव थी। एक दिन रास्ते मे अन्य छात्रो उसकी शकल देखकर चिडना शुरू की। यह सब सूनकर उन्होने अपनी जान देने की फैसला की। हम दोस्तो ने उनको समझने की कोशिश की। मैने उसको कहाँ कि हममे से किसी को भी अपने सुन्दरता से नही थकना चाहिए। उसकी अलावा हमारी पास की प्रतिभाएँ है वह ~~चाहिए~~ हम

~~ला~~ बाहर ला सकते। मालविका को खुश करने केलिए किरण एक गाना शुरू किया। हम सब एक साथ गाना गायी। ~~मन्नु भी~~ मालविका भी हमारी साथ गाना शुरू की। हम सब उनकी गाने क्षमता से आश्चर्यचकित हुई। हमने उसको सराहना की। जैसे मालविका हमारी मित्र बनी गई।

दिनो बितते गई।

एक दिन काफी उहउस मे हमने एक निर्णय लिया कि एक म्यूजिकल बैंड शुरू करने की। हमने मालविका को बैंड का नाम ~~के~~ बताने को कहाँ। आखिरकार मालविका ~~न~~ एक नाम रखा वह था मस्ती। हम सभी को यह बहुत पसंद आयी। हमने प्रधानाचार्य को बैंड के बारे बताई। उन्होंने बैंड शुरू करने

पर समता की। हम सभी ने एक गाना लिखा और संगितबध्द की। गाना का नाम "हम मित्रो"। प्रधानाचार्य को गाना बहुत पसंद आयी, उन्होंने कहाँ कि अगली महीने एक प्रतियोगिता है, तुमहे भाग लेना चाहिए।

२० मार्च प्रतियोगिता दिन।

हम सबने स्टेज पहुँच गयी लेकिन ~~मालू दूर दू~~ मालविका दूर हुई। मैं एक पल केलिए डर गई। मालविका भी आयी और हमारी चेस्ट नंबर आठ थी। प्रधानाचार्य ने फोन की और एक बुरी खबर कहाँ कि हमारी स्कूल की रोहन वारुण की निधन हुई। हम सब रोने लगी। हम मंच मे आयी और इस उदासी मे गाना गाई। दो बजे हमारी

सि रिजेल्ट आयी। हम जीत गई। यह दिन मैं कभी नहीं भूलूगा। एक रास्ते मे मिली एक लडकी कि कारण हमने एक बैंड शूरू की और जीत गई। यह सब हमारी अच्छाई केलिए है।

वर्षो बितते गई।

आज मैं २० साल का हूँ। मैं एक सउंड इजीनीयर हूँ। एक जब मैं घर पर मे था मुझे एक फोण। आयी। वह ~~मेसी~~ संत मार्या स्कूल की प्रधानाचार्य थी। उन्होंने कहाँ कि हमारी स्कूल मे पुर्व छात्रो की संत है आप ही आना चाहिए, इतना कहकर उन्होंने फोण कट की।

।मार्च २००१ हमारी पुर्व छात्र संत।

वहाँ ~~मुझे~~ मेंने अपने बैंड दोस्तो से मिली।

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

हमने बहुत बाते की। हमने एक यात्रा की योजना बनाई। हमने यह यात्रा को मस्ती नाम दिया।

दिनो बितते गई।

२५ जून २००९ हमारी मस्ती यात्रा। हमने सूबह से निकले और शाम से पहुंच गई। हम साम और सूबह उटी। ~~और~~। हमने एक साथ खाना बनायी। रात आठ बजे हमारी क्यांप फयर समय थी। लेकिन मिट्टी का तेल कम था। मैंने कहाँ कि मैं मिट्टी का तेल खरिदने जाऊँगा। , कोई बात नहीं। मेरा साथ किरण भी आयी। हम मिट्टी का तेल से वापस आती थी। जब रिजॉड लोगों और पुलिस गाडी से धूम थी। मैं गाडी से निकला। मैं जो वहाँ ~~से~~ देखा मैं

कभी नहीं भूलूँगा। खूने दोस्तो। मालविका एक पागल के तरह शोर मचाती थी। मैं रोने लगी। पुलिस ने मालविका को गिरफ्तार की। मैं हैरान हुई।

पुलिस की रिपट से मुझे कई बात ~~समझा~~ समझ आयी कि मालविका एक शराबी ~~और~~ थी और मालविका को कई ~~थी~~ शरीरिक या मानसिक समस्याओं है। एक बाद मुझे चौंका दिया कि सालो से मर चुकी रोहन की मृत्यु की कारण मालविका। मन मैं कई चिन्ताएँ है कि मालविका को यह कैसे कर सकते। क्यों उसने मेरी दोस्तों को खो दिया ?। क्यों मैं यह धरती मैं थाकी। जो मैं मालविका को रास्ते मे नहीं मिली तो यह सब नहीं होगा। क्या करना यह सब नियति हैं। मालविका को जरूर शिक्षा

मिलूँगा। भगवान यह समाज मे हम कैसे रहूँगा कि यहाँ प्रेम, करुना और अच्छाई भी हुई हैं। यह समूह अच्छी होने थो, हम भी अच्छी होनी चाहिए, हमारी आस पास की लोगों भी अच्छी होना ~~चाहि~~ चाहिए।

"भगवान ~~से~~ यह समूह को ठीक करे, यह मेरी याचना हूँ"